लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4052

19 दिसम्बर, 2011 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र में रोजगार

4052. श्री नारन भाई कछाडिया:
श्री प्रभातसिंह पी0 चौहान:
श्री बद्रीराम जाखड़:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में इस्पात के उत्पादन में सतत वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकारी क्षेत्र की इस्पात कंपनियों में रोजगार अवसरों में भी उसी अनुपात में वृद्धि हो रही है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान सृजित प्रत्यक्ष रोजगार की तुलना में विभिन्न इस्पात संयंत्रों में उत्पादन का तुलनात्मक ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस्पात क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को और अधिक बढ़ाने का कोई प्रस्ताव है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में निर्धारित लक्ष्य, यदि कोई हों, तो क्या हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क): पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस्पात के उत्पादन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। गत 5 वर्षों के दौरान देश में क्रूड स्टील के उत्पादन से संबंधित आंकड़े निम्नानुसार हैं:-

वर्ष	क्रूड स्टील उत्पादन (मिलियन टन में)	
	मात्रा	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि दर (%)
2006-07	50.81	9.4
2007-08	53.86	5.9
2008-09	58.44	8.5
2009-10	65.84	12.7
2010-11*	69.57	5.7
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी); * =अनंतिम		

(ख): रोजगार में वृद्धि तथा इस्पात के उत्पादन में वृद्धि के मध्य कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। यह आवश्यक नहीं है कि प्रौद्योगिकीय विकास, ऑटोमेशन, प्रक्रिया में सुधार और सर्वोत्कृष्ट पद्धतियों के कारण उत्पादन में वृद्धि के समान अनुपात में रोजगारों में वृद्धि होनी चाहिए और प्रति मिलियन टन इस्पात के उत्पादन पर जनशक्ति को क्रमिक रूप से कम किए जाने की आवश्यकता है जिससे कम जनशक्ति के साथ उत्पादन के लक्ष्यों को हासिल करना संभव है।

जारी/-

(ग): गत 3 वर्षों के दौरान सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में क्रूड स्टील के उत्पादन और प्रत्यक्ष रोजगार सृजन/भर्ती का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)

वर्ष	उत्पादन (मिलियन टन में)	भर्ती किए गए कर्मचारियों की सं.
2008-2009	13.41	1288
2009-2010	13.51	1788
2010-11	13.76	1575
स्रोत: सेल		

राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)

वर्ष	उत्पादन (मिलियन टन में)	31 मार्च, को जनशक्ति
2008-2009	3.145	17,225
2009-2010	3.399	17,830
2010-11	3.424	17,829
स्रोत: आरआईएनएल		

(घ) और (ड.): वर्तमान समय में, डी-रैगुलेटेड, ओपन मार्किट अर्थव्यवस्था में सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता की होती है और इस हैसियत से सरकार उपयुक्त नीतिपरक उपायों के जरिए इस्पात उद्योग को प्रोत्साहित करती है। सेल और आरआईएनएल नामक सरकारी क्षेत्र की दोनों मौजूदा इस्पात कंपनियां क्रूड स्टील की अपनी क्षमताओं में विस्तार कर रही हैं जिससे बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

सरकारी क्षेत्र की अन्य कंपनी नामत: एनएमडीसी लिमिटेड ने नागरनार, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन वार्षिक क्षमता वाले एक एकीकृत इस्पात संयंत्र की स्थापना कर रहा है जिससे संभवत: रोजगार के अतिरिक्त अवसर उपलब्ध होंगे।

****